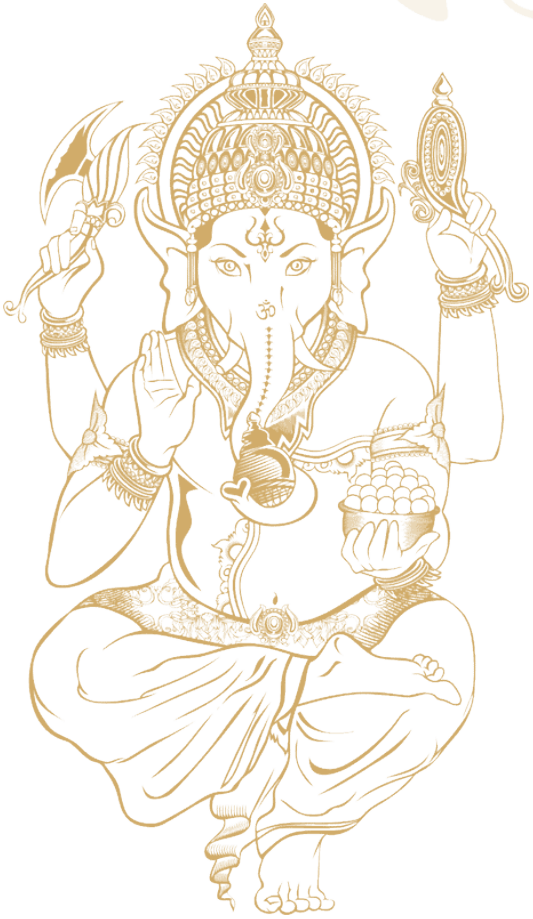

Sunny Ka Beta

27 Mar 2026

11:27 AM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121786436

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/03/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**11:27:00 घंटे**
इष्ट	13:54:11 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:30:32 घंटे
वेलान्तर	-00:05:24 घंटे
साम्पातिक काल	23:49:16 घंटे
सूर्योदय	05:53:19 घंटे
सूर्यास्त	18:10:54 घंटे
दिनमान	12:17:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	12:21:15 मीन
लग्न के अंश	14:44:24 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	अतिगण्ड
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हीरा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:44:24	320:24:08	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	---
सूर्य			मीन	12:21:15	00:59:23	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	01:03:55	13:47:42	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	स्वराशि
मंगल		अ	कुंभ	25:10:16	00:47:02	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
बुध			कुंभ	16:07:40	00:32:56	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	21:16:44	00:03:04	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	01:33:31	01:14:03	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
शनि		अ	मीन	10:43:48	00:07:29	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	सम राशि
राहु			कुंभ	14:30:10	00:01:34	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:30:10	00:01:34	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:20:08	00:02:26	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:47:59	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:54:33	00:01:05	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	02:51:15	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:31

लग्न-चलित

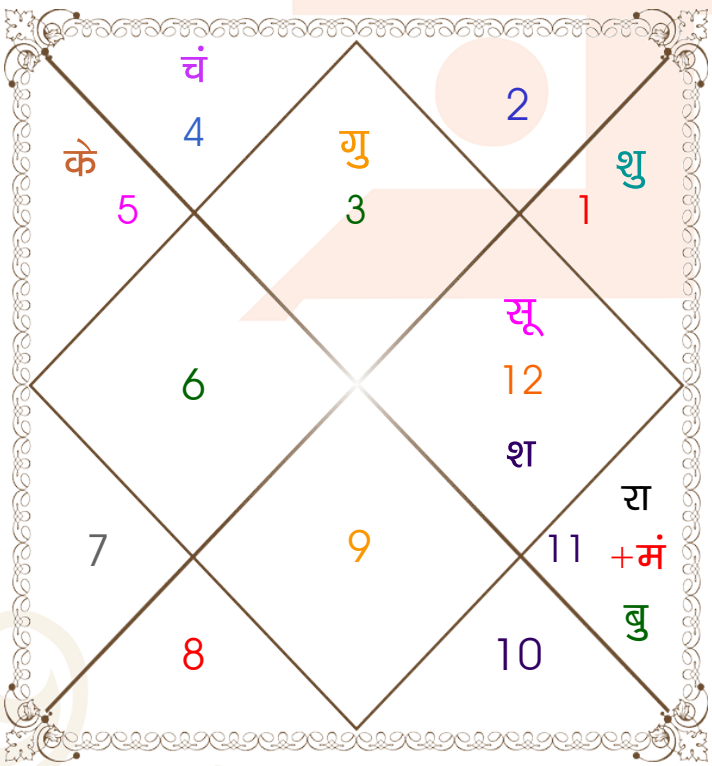

चन्द्र कुंडली

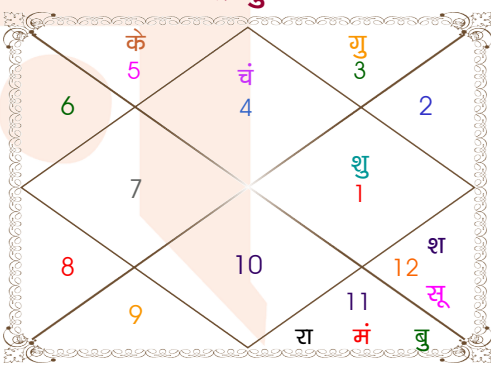

नवमांश कुंडली

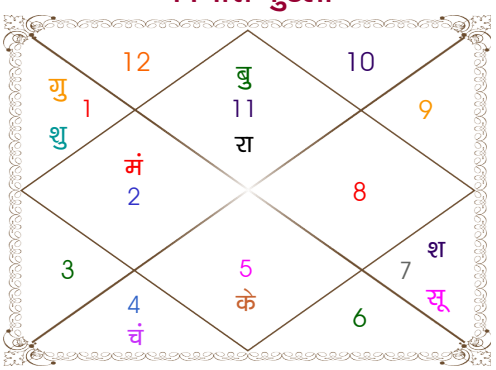

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 2 वर्ष 8 मास 20 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
27/03/2026		15/12/2028		16/12/2047		15/12/2064		16/12/2071	
15/12/2028		16/12/2047		15/12/2064		16/12/2071		16/12/2091	
	00/00/0000	शनि	19/12/2031	बुध	13/05/2050	केतु	13/05/2065	शुक्र	16/04/2075
	00/00/0000	बुध	28/08/2034	केतु	11/05/2051	शुक्र	13/07/2066	सूर्य	16/04/2076
	00/00/0000	केतु	07/10/2035	शुक्र	11/03/2054	सूर्य	18/11/2066	चंद्र	15/12/2077
	00/00/0000	शुक्र	06/12/2038	सूर्य	15/01/2055	चंद्र	19/06/2067	मंगल	14/02/2079
	00/00/0000	सूर्य	18/11/2039	चंद्र	15/06/2056	मंगल	15/11/2067	राहु	14/02/2082
	00/00/0000	चंद्र	19/06/2041	मंगल	13/06/2057	राहु	03/12/2068	गुरु	15/10/2084
	27/03/2026	मंगल	29/07/2042	राहु	31/12/2059	गुरु	09/11/2069	शनि	16/12/2087
मंगल	22/07/2026	राहु	03/06/2045	गुरु	07/04/2062	शनि	19/12/2070	बुध	16/10/2090
राहु	15/12/2028	गुरु	16/12/2047	शनि	15/12/2064	बुध	16/12/2071	केतु	16/12/2091

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
16/12/2091		15/12/2097		17/12/2107		17/12/2114		16/12/2132	
15/12/2097		17/12/2107		17/12/2114		16/12/2132		00/00/0000	
सूर्य	03/04/2092	चंद्र	16/10/2098	मंगल	14/05/2108	राहु	29/08/2117	गुरु	03/02/2135
चंद्र	03/10/2092	मंगल	17/05/2099	राहु	01/06/2109	गुरु	22/01/2120	शनि	17/08/2137
मंगल	08/02/2093	राहु	16/11/2100	गुरु	08/05/2110	शनि	28/11/2122	बुध	22/11/2139
राहु	03/01/2094	गुरु	18/03/2102	शनि	17/06/2111	बुध	17/06/2125	केतु	28/10/2140
गुरु	22/10/2094	शनि	17/10/2103	बुध	13/06/2112	केतु	05/07/2126	शुक्र	29/06/2143
शनि	04/10/2095	बुध	17/03/2105	केतु	10/11/2112	शुक्र	05/07/2129	सूर्य	17/04/2144
बुध	09/08/2096	केतु	16/10/2105	शुक्र	10/01/2114	सूर्य	30/05/2130	चंद्र	17/08/2145
केतु	15/12/2096	शुक्र	17/06/2107	सूर्य	17/05/2114	चंद्र	29/11/2131	मंगल	28/03/2146
शुक्र	15/12/2097	सूर्य	17/12/2107	चंद्र	17/12/2114	मंगल	16/12/2132		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 2 वर्ष 8 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।